शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

# राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

बुधवार 19 अगस्त 2026 E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 11 • अंक : 104 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

## न्यूज ब्रीफ

### दिल्ली हाईकोर्ट ने जासिर बिलाल वानी की जमानत खारिज

**नईदिल्ली।** दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को जासिर बिलाल वानी को डिफॉल्ट जमानत देने से इनकार कर दिया। बिलाल दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस में आरोपी है। उसने नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की जांच का समय बढ़ाए जाने के आधार पर डिफॉल्ट जमानत मांगी थी। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और विकास महाजन की डिवीजन बेंच ने जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश की अर्जी खारिज कर दी। बिलाल के वकील ने तर्क दिया था कि 90 दिनों के मामले में धारा 43 (ष्ठ) लागू होती है।

### कोलकाता एयरपोर्ट की पुरानी एटीसी बिल्डिंग में आग लगी

**कोलकाता।** कोलकाता एयरपोर्ट की पुरानी एटीसी बिल्डिंग में मंगलवार को आग लग गई। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और उड़ानों पर भी असर नहीं पड़ा। एयरपोर्ट की तीसरी मंजिल पर आग दिखने के बाद फायर ब्रिगेड की दो भेजी गईं। कुछ देर में आग पर काबू पा लिया गया और यह दूसरे हिस्सों तक नहीं फैली। फायर अधिकारियों के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस पर बिल्डिंग को सजावटी लाइटों से सजाया गया था।

### पहचान वाले फोटो-वीडियो पोस्ट करने पर रोक की मांग

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर आरोपियों की पहचान उजागर करने या उन्हें अपमानजनक तरीके से दिखाने वाले फोटो-वीडियो पोस्ट करने के मामले में केंद्र, राज्यों, एक्स और मेटा को नोटिस जारी किया है। याचिका में पुलिस के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन बनाने की मांग की गई है।

### नागपुर के 12 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

**नागपुर।** महाराष्ट्र के नागपुर में मंगलवार सुबह 12 से ज्यादा स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। ईमेल में 31 अगस्त को स्कूलों में धमाके होने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने कई टीमें भेजकर स्कूलों की तलाशी ली।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

# भारत में 2027 तक खाना-पीना महंगा हो सकता है

## रिसर्च फर्म जेपी मॉर्गन का अलर्ट- सरकार पर 3 लाख करोड़ का बोझ बढ़ेगा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

**2027** तक भारत में खाने-पीने की चीजों के दाम काफी बढ़ सकते हैं। यह अलर्ट मल्टीनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म जेपी मॉर्गन ने जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार पर 3 लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा। फर्म ने दावा किया है कि महंगाई का असर पूरी दुनिया पर होगा। फर्टिलाइजर की कमी, जियोपॉलिटिकल तनाव के साथ एक अल नीनो तूफान के आने से यह संकट गहराएगा।

साल 2027 की पहली छिमाही में ग्लोबल स्तर पर खाने-पीने की चीजों के दाम 5% तक बढ़ सकते हैं। 2026 की पहली छिमाही में यह आंकड़ा 2.8% पर था। भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए अधिक मायने रखती है, क्योंकि देश में पहले से ही फर्टिलाइजर काफी महंगी है।

**सरकारी खजाने पर खाद सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा**

266 में यूरिया की बोरीः भारत दुनिया में सबसे ज्यादा यूरिया खरीदने वाले देशों में से एक है। देश में यूरिया की 45 किलो की बोरी का दाम सिर्फ 266.50 है, सरकार उसे विदेशों से इसके दस गुने से भी ज्यादा दाम में खरीदती है। इस बड़े अंतर का पूरा खर्च सरकार खुद उठाती है, जिसे 'खाद सब्सिडी' कहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल सरकार का यह सब्सिडी खर्च ज3 लाख करोड़ से भी ऊपर जा सकता है। अगर मिडिल ईस्ट का संकट लंबा खिंचा, तो यह खर्च और बढ़ेगा। ऐसे में सरकार के सामने बड़ी दुविधा होगी- या तो वह अपनी जेब से भारी नुकसान सहकर खाद को सस्ता रखे, या फिर किसानों को खाद का इस्तेमाल कम करने के लिए कहे जिससे फसलों की पैदावार पर असर पड़ सकता है।

**मानसून पर असर से भारत में फसलों को नुकसान का जोखिम:** भारतीय कृषि काफी हद तक दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर है। अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून से जोड़ा जाता है, हालांकि यह हमेशा जरूरी नहीं है। उदाहरण के लिए, साल 1997 में मजबूत अल नीनो के बावजूद इंडियन ओशन डिपोल जैसे अन्य कारकों के कारण भारत में सामान्य से 2% अधिक बारिश हुई थी।

### ईरान में तनाव के कारण खाद और गैस का संकट

**मिडिल ईस्ट का रोल**
दुनिया का 42% यूरिया और 27% अमोनिया (खाद बनाने का केमिकल) मिडिल ईस्ट यानी अरब देशों से आता है। अगर वहां युद्ध या तनाव के कारण सप्लाई रुकी, तो पूरी दुनिया में खाद की भारी किल्लत हो जाएगी।

**गैस की कीमतें**
यूरिया जैसी खाद बनाने में नेचुरल गैस का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। अगर गैस महंगी हुई, तो खाद बनाना भी महंगा हो जाएगा। खाद महंगी होने पर किसान इसका कम इस्तेमाल करेंगे, जिससे फसलों की पैदावार घट जाएगी।

**सुधरने में लगेगा लंबा समय**
अगर एक बार खाद के कारखाने या गैस प्लांट इस संकट की वजह से बंद या प्रभावित हुए, तो उन्हें दोबारा पूरी तरह ठीक होने में 1 से 5 साल तक का लंबा समय लग सकता है। जिससे महंगाई में लगातार वृद्धि होगी।

### 2026 के अंत तक सुपर अल नीनो तुफान की आशंका

- **81% चांस :** खाद की किल्लत के साथ-साथ मौसम भी एक बड़ी मुसीबत बनने वाला है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2026 के अंत तक बहुत खतरनाक यानी सुपर अल नीनो आने की 81% संभावना है, जो 2027 तक खिंच सकता है।
- **फसलों पर मार :** इतिहास गवाह है कि जब भी अल नीनो आता है, गर्म और खराब मौसम की वजह से खेती-किसानी को नुकसान होता है और फसलों की पैदावार औसतन 3.5% तक घट जाती है।
- **महंगाई में उछाल :** इस खराब मौसम के कारण दुनियाभर में खाने-पीने की चीजों की महंगाई करीब 1.5% तक और बढ़ सकती है, जो आम आदमी की जेब पर सीधा असर डालेगी।

# दिल्ली पुलिस बोली- सीजेपी का संसद मार्च गैरकानूनी था

## सुप्रीम कोर्ट में कहा- हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए, बैरिकेड तोड़े, लेकिन हमने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

**दिल्ली** पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा।

हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा।

**पुलिस-प्रदर्शनकारी के घायल होने पर-** 20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए।

### जंतर-मंतर प्रदर्शन पर रिजिजू बोले- गोली कहां चली

**नई दिल्ली।** केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक इंटरव्यू में कहा कि जेन-जी हमारे अपने बच्चे हैं और उनसे लगातार बातचीत जरूरी है। रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा- हजारों लोगों के प्रदर्शन के बावजूद एक भी गोली नहीं चली और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए। अगर ऐसा आंदोलन कांग्रेस के दौर में हुआ होता, तो हजारों लोगों की मौत हो सकती थी। रिजिजू ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) फाउंडर अभिजीत दीपके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा- दीपके क्क कार्यकर्ता हैं।

# राम मंदिर चढ़ावा चोरी में चंपत-मिश्रा के नाम नहीं : 8 आरोपी पहले ही जेल में

## एसआईटी ने फाइनल जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी

राष्ट्रबाण | अयोध्या | एजेंसी
rashtrabaan.in

**अयोध्या** के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने सोमवार रात फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं।

यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था।

यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी। आईजी रेंज किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार इसके सदस्य थे। एसआईटी ने 23 जून को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच की कमान आईपीएस को सौंपने और फाइनेंस एक्सपर्ट को शामिल करने के निर्देश दिए थे। 20 जुलाई को नई एसआईटी बनी, जिसमें लखनऊ रेंज के आईजी किरण एस, डीआईजी अयोध्या सोमेन वर्मा और अयोध्या एसएसपी गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया। यह एसआईटी अब भी चढ़ावा चोरी की जांच कर रही है।

### एसआईटी ने 23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार की एसआईटी ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं थे।

# यूपी के 25 शहरों में बारिश, घर-थाने-अस्पताल में पानी भरा

**नईदिल्ली।** उत्तर भारत के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। मौसम विभाग ने राजस्थान-दिल्ली समेत 14 राज्यों में मंगलवार को तेज बारिश की चेतावनी दी है। बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन आज आगे बढ़ सकता है।

यूपी के 25 शहरों में तेज बारिश हो रही है। कई जगह सड़कों-अस्पतालों में पानी भर गया। कानपुर-उन्नाव में 500 से ज्यादा घरों में पानी भर गया। 8 जिलों में स्कूल की छुट्टी कर दी गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से में तेज बारिश हो रही है। आसनसोल में बाढ़ जैसे हालात हैं। लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है।

वहीं मध्य प्रदेश के सतना में मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। एनडीआरएफ तैनात है और घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में नदियां उफान पर हैं। बीन नदी में एक जीप पलट गई। एनडीआरएफ ने गाड़ी में फंसे दो लोगों को निकाला।

# पाक सुप्रीम कोर्ट बोला-इमरान को 2 दिन में अस्पताल भेजें

## कहा- बहनों से मिलना उनका अधिकार; 2023 से जेल में हैं पूर्व पीएम

राष्ट्रबाण | इस्लामाबाद | एजेंसी
rashtrabaan.in

**पाकिस्तान** के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अस्पताल भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि इमरान को 48 घंटे में शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ट्रांसफर किया जाए। उनकी सेहत की जांच और इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड भी बनाया जाएगा।

कोर्ट ने इमरान की बहनों से मुलाकात को लेकर भी सवाल उठाया। जस्टिस शाहिद वहीद ने कहा कि बहनों से मुलाकात कराना कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका मौलिक अधिकार है।

अदालत ने पिछले तीन साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई सभी मुलाकातों की जानकारी मांगी। इमरान के बेटों से उनकी बातचीत और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जानकारी भी देने को कहा गया है। इमरान खान 3 साल से जेल में हैं। उन्हें अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई।

### कोर्ट ने पूरी मेडिकल रिपोर्ट न मिलने पर नाराजगी जताई

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अडियाला जेल प्रशासन से इमरान की पूरी मेडिकल रिपोर्ट मांगी। जस्टिस शाहिद वहीद ने इस पर नाराजगी जताई कि कोर्ट के सामने पूरी रिपोर्ट पेश करने के बजाय सिर्फ समरी दी गई है। तीन जजों की बेंच इमरान के इलाज और परिवार से मुलाकात से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बेंच की अध्यक्षता जस्टिस शाहिद वहीद ने की। इसमें जस्टिस नईम अख्तर अफगान और जस्टिस इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे।

# फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

## मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

**सुप्रीम** कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए।

याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाम बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी। वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया था कि फांसी की प्रक्रिया में 40 मिनट से ज्यादा लग सकते हैं।

### सुप्रीम कोर्ट बोला-केंद्र चाहे तो फांसी के तरीके की समीक्षा करा सकता है

कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है। कोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार विशेषज्ञों की समिति बनाकर मौजूदा फांसी की व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर सकती है। समिति यह जांच सकती है कि क्या कोई वैकल्पिक तरीका अनावश्यक पीड़ा कम करने और दोषी की गरिमा बनाए रखने में बेहतर है।

## हर भारतीय वोटर के पास फोटो आईडी, अमेरिका में बिना इसके इलेक्शन क्यों

# ट्रम्प बोले- अमेरिका में भारत जैसा चुनावी सिस्टम हो

राष्ट्रबाण | वॉशिंगटन | एजेंसी
rashtrabaan.in

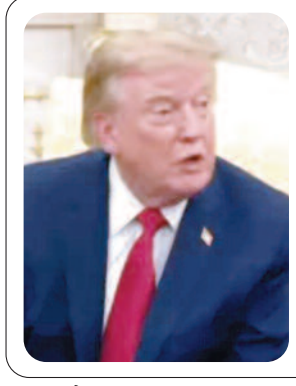

**अमेरिकी** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं? ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रम्प ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

**अमेरिका में सेव अमेरिका एक्ट को लेकर विवाद क्यों?**

अमेरिका में वोटर आईडी को लेकर लंबे समय से राजनीतिक बहस चल रही है। इसके समर्थकों का कहना है कि फोटो आईडी और नागरिकता के दस्तावेज चुनाव की विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद करेंगे। वहीं, विरोधियों का तर्क है कि अमेरिका में गैर-नागरिकों का मतदान पहले से प्रतिबंधित है और सख्त दस्तावेजी नियमों के कारण ऐसे मतदाता भी प्रभावित हो सकते हैं, जिनके पास जन्म प्रमाणपत्र या वैध पासपोर्ट जैसे दस्तावेज नहीं हैं।

**दुनिया भर के देशों के चुनाव में फोटो आईडी के नियम अलग**

फोटो आईडी को लेकर विकसित देशों में एक जैसा नियम नहीं है। ब्रिटेन में कुछ चुनावों में मतदान केंद्र पर फोटो आईडी दिखाना अनिवार्य है, जबकि स्कॉटलैंड और वेल्स के कुछ स्थानीय चुनावों में इसकी जरूरत नहीं होती।

### क्या है सेव अमेरिका एक्ट?

सेव अमेरिका एक्ट अमेरिका में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को और सख्त करने वाला एक विधेयक प्रस्ताव है। इसके तहत वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण और मतदान के समय फोटो आईडी दिखाना जरूरी होगा। इस विधेयक में डाक से वोट देने की प्रक्रिया को काफी सीमित करने की बात भी कही गई है। यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित हो चुका है, लेकिन सीनेट में इसे अब तक मंजूरी नहीं मिली है।

इस मुद्दे पर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, दोनों पार्टी में मतभेद हैं। ट्रम्प लगातार सेव अमेरिका एक्ट को पास कराने पर जोर देते रहे हैं। उनका दावा है कि इससे चुनावी धोखाधड़ी पर रोक लगेगी।

# दुश्मन को धोखा देने नन्हीं चिड़िया ने बुना अनोखा घोसला, दिमाग हिला देगी चतुराई

**कुदरत ने उन्हें ऐसी कारीगरी बख्शी है कि वो सांप जैसे फुर्तीले और जानलेवा दुश्मन को भी मिनटों में धोखा दे देती हैं. ऐसी ही एक चिड़िया है केप पेंडुलिन टिट जिसकी कलाकारी और स्ट्रैटजी ट्विटर पर वायरल हो रही है.**

जमीन से कई फीट ऊपर बने घोसले में भी चिड़िया सुरक्षित नहीं. यहां इनका सबसे बड़ा दुश्मन होता है सांप. जो रेंगता हुआ घोसले तक पहुंच जाता है. और चिड़िया की खूबसूरत जिंदगी और तिनका तिनका जोड़कर बना घरौंदा बरबाद कर देता है. हर चिड़िया तो नहीं लेकिन कुछ नन्हे पक्षियों के पास इस घातक दुश्मन से निपटने का भी तरीका है. कुदरत ने उन्हें ऐसी कारीगरी बख्शी है कि वो सांप जैसे फुर्तीले और जानलेवा दुश्मन को भी मिनटों में धोखा दे देती हैं. सांप को धोखा देने के लिए ये चिड़िया चतुराई से अपना घोंसला बुनती है. एक एक घास ऐसे तानेबाने से कसा हुआ है कि उसे आसानी से समझ पाना ही मुश्किल है. ये चिड़िया अपनी दुनिया की किसी चतुर वास्तु शिल्पी से कम नजर नहीं आती. जो छोटे से घोंसले को ही इस तरह बनाती है कि दुश्मन चाह कर भी हमला नहीं कर पाता. इस चिड़िया को दक्षिणी पेंडुलिन टिट या केप पेंडुलिन टिट कहते हैं. जो अपने घोंसले में फॉल्स चैम्बर बनाती है.

यह पक्षी रेमीज़िडे फैमिली की है। इसका वैज्ञानिक नाम एंथोस्कोपस मिनुटस है। इसका प्राकृतिक आवास ड्राई सवाना, सबट्रॉपिकल, ट्रॉपिकल ड्राई स्रबलैंड और भूमध्यसागर की तरह की वनस्पति है। इसका घोसला 15 सेंटीमीटर ऊंचा, नौ सेमी गहरा और इतना ही चौड़ा होता है। इसे बनाने में यह कॉटन वूल जैसी मुलायम सामग्री का इस्तेमाल करती है। यह दक्षिण अफ्रीका की सबसे छोटी पक्षियों में से एक है। लेकिन अपने अंडों और चूजों को शिकारियों से बचाने के लिए यह घोसला इस तरह बुनती है कि सांप जैसे शिकारियों को धोखा दे सके। इस घोसले को बनाने में इसे 20 से 35 दिन लगते हैं। इस घोसले के एक तरफ ऐसा ढांचा बना होता है जो घोसले में जाने के रास्ते की तरह दिखता है लेकिन असल में यह दरवाजा नहीं होता है। अगर कोई शिकारी इसमें घुसता है तो उसे कुछ नहीं मिलता है और वह खुद को ठगा हुआ महसूस करता है। घोसले में घुसने का असली रास्ता इस ढांचे के ऊपर होता है। चिड़िया के घुसते ही असली रास्ता बंद हो जाता है। इसमें घुसने से पहले चिड़िया इसे अपने पैर की मदद से खोलती है। इसी तरह घोसले से निकलने पर चिड़िया इस रास्ते को बंद कर देती है।

## क्या है फॉल्स चैम्बर का रहस्य?

तस्वीरों में आप देख सकते हैं चिड़िया के घोसले में दो एंट्रेंस नजर आ रहे हैं. घोसले में घुसने का एक रास्ता काफी बड़ा दिखता है. जबकि दूसरा रास्ता काफी छोटा है. जाहिर है कोई भी शिकारी खासतौर से सांप खुद ब खुद बड़े रास्ते का ही चुनाव करेगा. लेकिन इस रास्ते से अंदर जाने पर उसे घोंसला खाली ही नजर आएगा. क्योंकि चिड़िया दूसरे छोटे रास्ते से अपने घोंसले में प्रवेश करती है. घोसले में भी दो अलग अलग हिस्से हैं. मानो नन्ही चिड़िया ने दो कमरे का घर बनाया है. एक कमरा अपने शिकारी को कंफ्यूज करने के लिए. दूसरा कमरा वो जहां वो अपने कुनबे के साथ आराम फरमाती है. और शिकारी खाली हाथ लौटने पर मजबूर हो जाता है.

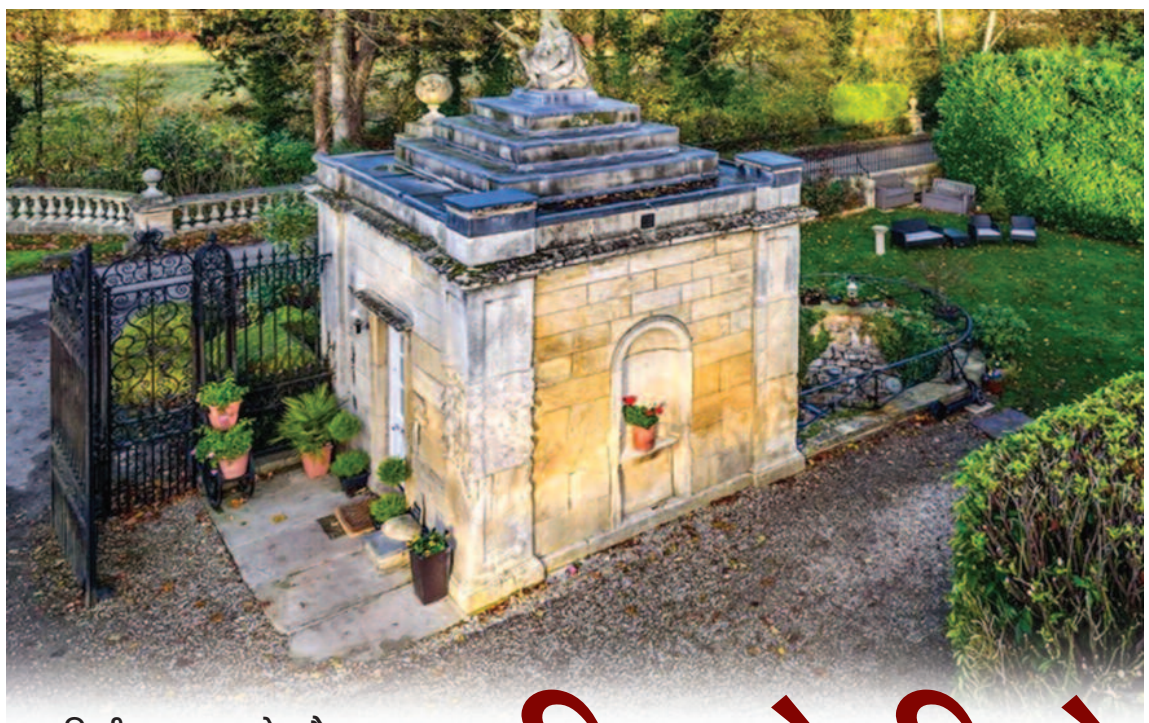

# माचिस के डिब्बे जितना घर लेकिन करोड़ों में है कीमत

**हर किसी का सपना होता है कि वो एक शानदार घर बनाए या ख़रीदे. वहीं, घर को ख़रीदते वक़्त कई बातों का ध्यान रखा जाता है जिसमें घर का स्पेस बहुत मायने रखता है. परिवार बड़ा हो या छोटा, थोड़ा स्पेसियस घर लेना सही रहता है और उसी हिसाब से घर की क़ीमत भी निर्धारित होती है. लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन में बहुत ही छोटा-सा घर है, जिसे काफी लोग ख़रीदना चाहते हैं और इस घर की क़ीमत करोड़ों में बताई जाती है. आइये, जानते हैं आखिर क्या है इसकी वजह.**

### ब्रिटेन का छोटा-सा घर

ये ब्रिटेन में हैं और माना जा रहा है कि करोड़ों में बिकने वाला है. ये घर इतना छोटा है कि लोग इसे माचिस की डिब्बा भी कह रहे हैं. तस्वीर को देखकर अंदाज़ा भी लगाया जा सकता है कि ये बाहर से उनता आलीशान भी नहीं लगता है कि इसकी क़ीमत करोड़ों में हो. माना जा रहा है कि इसकी क़ीमत क़रीब तीन करोड़ लगाई गई है.

### छोटा है लेकिन कमाल का

भले कीमत के अनुसार घर उतना बड़ा या आलिशान न हो, लेकिन कुछ चीज़ें इस घर की काफ़ी हैरान कर देने वाली हैं. ये एक Georgian gate house है और कहते हैं कि इस घर के बेसमेंट में एक खूबसूरत बाथरूम और एक शानदार किचन भी मौजूद है. साथ ही इसके बेसमेंट में लिविंग क्वाटर की सुविधा भी दी गई है. इसका बेसमेंट लगभग 13ft लंबा है और 241 sqft का बना हुआ है. बाहर से भले ही ये छोटा लगे लेकिन अंदर से ये काफ़ी स्पेशियस लगता है, जिसे तस्वीर में साफ़ देखा जा सकता है.

### अंदर से आकर्षक है इसका डिज़ाइन

ये घर 10 फ़ीट 5 इंच बाई 8 फ़ीट 6 इंच का है और लगभग 408 sqft में बना हुआ है. लेकिन, अपने आकर्षक इंटीरियर की वजह से काफ़ी बेहतरीन दिखता है. घर में दी गई सुविधाएं इसे ख़ास बनाने का काम करती हैं. इसके अंदर घुमावदार सीढ़ी भी बनाई गई है. इसे कम स्पेस में एक शानदार घर कहा जा सकता है. वहीं, इसका बाथरूम काफ़ी पॉश तरीक़े से बना हुआ है जो काफ़ी चर्चा में भी है. इसमें Olive Green Wooden Planks का इस्तेमाल किया गया है और Vintage Style Wall Lights लगाई गई हैं.

### क्यों है ये घर इतना महंगा?

इस घर की क़ीमत इसके आकार या डिज़ाइन से नहीं लगाई गई है बल्कि इसका इतिहास ही इसे क़ीमती बनाने का काम करता है. दरअसल, ये एक ऐतिहासिक गेस्ट हाउस है, जो North Yorkshire के Grimston Park Estate में बनाया गया था. कहते हैं कि 19वीं शताब्दी के दौरान यहां रॉयल परिवार से जुड़े लोग आकर रुका करते थे. वहीं, इसके मौजूदा मालिक काफी सालों से इस छोटे से घर में रह रहे हैं लेकिन अब वो इसे बेचना चाहते हैं.

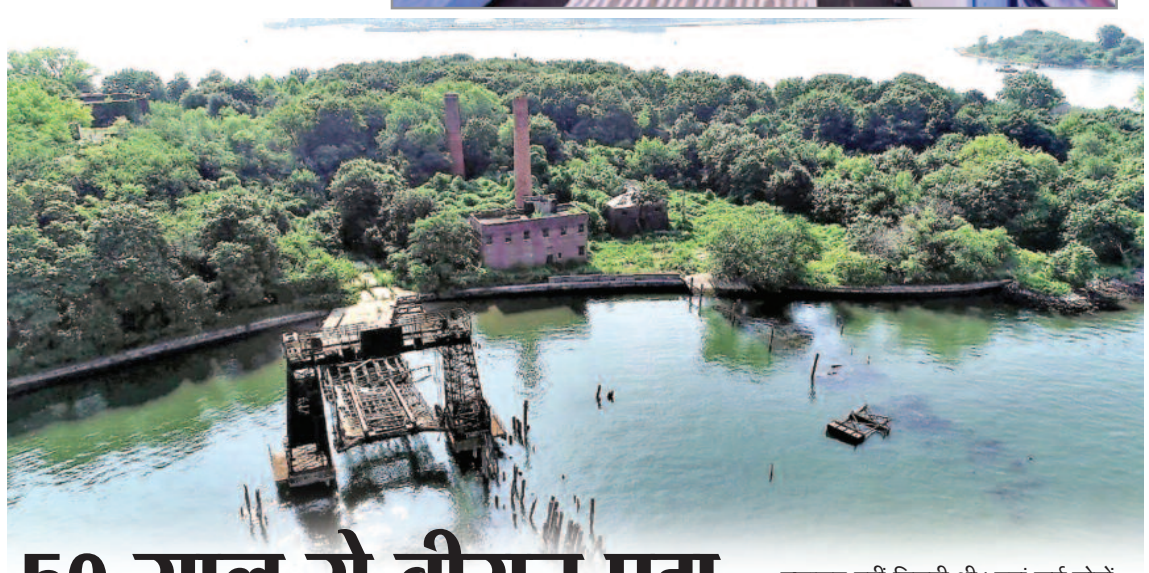

# 50 साल से वीरान पड़ा है ये आइलैंड जहां पहले रहते थे हजारों लोग

**अमेरिका की ईस्ट नदी में नॉर्थ की और एक ऐसा आइलैंड है जिसे भूतों का घर माना जाने लगा है। ये आइलैंड 50 सालों से वीरान है। पहले यहां हजारों लोग रहा करते थे, पर अचानक कुछ ऐसी घटनाएं घटीं कि देखते-देखते ये आइलैंड सुनसान हो गया। कहा जाता है कि अब इस आइलैंड पर प्रेतात्माओं का डेरा है। 20 एकड़ में फैले इस अइलैंड में कई इमारते हैं जो खंडहर हो रही हैं और कोई भी यहां जाने की हिम्मत नहीं करता। कई पैरानॉर्मल एक्सपर्ट्स यहां नेगेटिव एनर्जी महसूस कर चुके हैं और कहते हैं कि यहां कुछ तो गड़बड़ है।**

### कौन लोग रहते थे यहां

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सन् 1885 तक ये आइलैंड खाली पड़ा था। इसके बाद यहां पर एक हॉस्पिटल बनाया गया, जहां चिकनपॉक्स के मरीजों को रखा जाने लगा। दरअसल, उस दौर में चिकनपॉक्स एक जानलेवा बीमारी थी और उसे फैलने से रोकने के लिए पीड़ितों को शहर से इस दूर आइलैंड में रखा जाता था।

### कई बीमारियों के लिए बने हॉस्पिटल

आइलैंड में पर्याप्त जगह होने की वजह से यहां टीबी समेत कई घातक बीमारियों के लिए हॉस्पिटल बनाए गए। मरीजों को शहर से लाकर यहां रखा जाने लगा।

### अगर ठीक नहीं हुए तो जिंदगी भर की कैद

बताया जाता है कि इस आइलैंड पर गंभीर बीमारियां जबतक ठीक नहीं हो जाती थीं, तब तक मरीज को उसके घर जाने की इजाजत नहीं मिलती थी। यहां कई लोगों को जबरन रखा जाता था। किसी की बीमारी लाइलाज है तो उसे पूरी जिंदगी यहीं बितानी पड़ती। ऐसे में कुछ लोगों ने यहां आत्महत्या कर ली।

### लगातार होने लगी मौतें

यूं तो इस आइलैंड पर बीमार लोग ही रह रहे थे पर 1943 में यहां मौत का सिलसिला शुरू हुआ। एक के बाद एक सैंकड़ों मौतों ने आइलैंड पर तबाही मचा दी। जो बच गए वो जैसे-तैसे भाग निकले। उसके बाद से इस आइलैंड को भुतहा माना जाने लगा। कहा जाता है कि यहां रहने वाले लोगों को उन आत्माओं ने मारा था, जिनकी मौत यहां एक जहाज डूबने से हुई थी।

### तो क्या भटकती हैं प्रेतात्माएं?

इन मौतों को जनरल स्लोकम जहाज दुर्घटना से भी जोड़ा जाता है। 15 जून 1904 को इस आइलैंड के पास भाप से चलने वाला ये जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें आग लगने से 1 हजार लोगों की मौत हो गई थी। लंबे समय तक हजारों डेड बॉडी इसी आइलैंड के किनारे आकर लग गईं। माना जाने लगा कि इन्हीं लोगों की आत्माएं इस आइलैंड पर बस गईं थीं और बाद में ये वहां रहने वाले लोगों की मौत का कारण बनीं।

# देश का एकमात्र रेलवे स्टेशन जिसे भारतीय रेलवे नहीं बल्कि गांव वाले चलाते हैं

**भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे स्टेशनों का संचालन व देख-रेख भारतीय रेलवे करता है. लेकिन, जानकर हैरानी होगी कि देश में एक ऐसा भी अनोखा रेलवे स्टेशन है जिसका संचालन भारतीय रेलवे नहीं बल्कि एक गांव के लोग करते हैं. गांव वालों के हाथों ही इस रेलवे स्टेशन की पूरी ज़िम्मेदारी है. क्यों इस रेलवे स्टेशन को गांव वाले चलाते हैं, इसके पीछे एक दिलचस्प वजह है, जिसे हम इस लेख में आपको बताएंगे. आइये, जानते हैं इस अनोखे भारतीय रेलवे स्टेशन के बारे में**

### भारत का अनोखा रेलवे स्टेशन

भारत के इस अनोखे रेलवे स्टेशन का का नाम है जालसू नानक हाल्ट रेलवे स्टेशन. ये अनोखा रेलवे स्टेशन राजस्थान में हैं और नागौर ज़िले से क़रीब 82 किमी की दूरी पर स्थित है. जानकारी के अनुसार, इस रेलवे स्टेशन का पूरा संचालन यहां के गांव वाले करते हैं.

### गांव के फोजियों के लिए गांव के लोग मिलकर चला रहे हैं ये रेलवे

जानकर आश्चर्य होगा कि गांववाले ट्रेन का टिकट काटने से लेकर इस स्टेशन की पूरा ध्यान रखते हैं. जानकारी के अनुसार, इस स्टेशन पर 10 से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं. माना जाता है कि इस स्टेशन से अब 30 हज़ार से ज़्यादा आय हो रही है. यहां हर महीने 1500 टिकट बेचे जाते हैं यानी 50 टिकट रोज़ाना.

### इस वजह से गांववालों ने ली स्टेशन की ज़िम्मेदारी

इस रेलवे स्टेशन को पहले भारतीय रेलवे ही चलाता था. इसे 1976 में चालू किया गया था. लेकिन, एक पॉलिसी के तहत उन सभी स्टेशनों को बंद करने का आदेश दिया गया जो कम रेवेन्यू वाले थे. इसमें जालसू नानक हाल्ट रेलवे स्टेशन भी शामिल था, जिसे 2005 में बंद करने का आदेश दिया गया था लेकिन, गांव वालों ने इसका विरोध किया और 11 दिनों तक धरने पर बैठ गए. बाद में एक शर्त पर इस रेलवे स्टेशन को खोलने की बात रखी गई कि गांव वालों को ही इसे चलाना होगा.

### चंदा जुटाया गया था

गांव वालों ने शर्त मान ली थी. वहीं, कहते हैं कि इस काम के लिए उन्होंने आपस में चंदा इकट्ठा किया था. लगभग डेढ़ लाख रुपए चंदे से इकट्ठे किए गए थे. इन पैसों से 1500 टिकट ख़रीदे गए और बाकी पैसे निवेश में लगा दिए गए. साथ ही गांव वालों ने 5 हज़ार की सैलरी पर एक ग्रामीण को टिकट बेचने के काम पर लगाया.

### फ़ौजियों का गांव

जानकारी के लिए बता दें कि ये गांव फ़ौजियों का गांव कहा जाता है. यहां से लगभग 200 जवान भारतीय सेना में हैं और 250 से ज़्यादा रिटायर्ड पर्सन हैं. फ़ौजियों के आवागमन के लिए ही इस रेलवे स्टेशन की शुरुआत की गई थी. हालांकि, अब गांव वाले चाहते हैं कि इस स्टेशन को भारतीय रेलवे फिर से अपने हाथों में ले ले.

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 19 अगस्त 2026

# बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

# मलेरिया के खिलाफ उतरा प्रशासन

## बालाघाट में मीजल्स एवं मलेरिया से प्रभावित क्षेत्रों की राज्य स्तरीय दल ने की वृहद समीक्षा, 20 अगस्त से चलाया जाएगा मीजल्स-रूबेला कैचअप अभियान

32 हजार 400 संभावित रोगियों की अब तक की जा चुकी है जांच

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में मीजल्स एवं मलेरिया के प्रकरणों की आयुक्त स्वास्थ्य धनराजू एस की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय राज्य स्तरीय दल ने 13 से 15 अगस्त 2026 तक जिले का सघन भ्रमण कर जांच की। राज्य स्तरीय दल ने प्रभावित ग्रामों का दौरा कर स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लिया और मृत्यु के प्रकरणों के कारणों की विस्तृत समीक्षा की। प्रभावित क्षेत्रों में रोग नियंत्रण, जांच, उपचार, सर्वेलेंस एवं टीकाकरण की गतिविधियों को तेज करते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति की विशेष निगरानी तथा प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है।

दल में उपसंचालक आई.डी.एस.पी. डॉ. आश्विन भागवत, उपसंचालक/राज्य कार्यक्रम अधिकारी व्ही.बी.डी.सी.पी. डॉ. हिमांशु जायसवार, उपसंचालक असंचारी रोग नियंत्रण डॉ. आशीष सक्सेना, और डॉ. सौरभ पुरोहित, उपसंचालक टीकाकरण शामिल रहे।

### मास कैंप आयोजित कर जांच और वैक्टर नियंत्रण की कार्यवाही

राज्य स्तरीय दल द्वारा 14 अगस्त को प्रभावित ग्रामों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया। बालाघाट जिले के बिरसा विकासखण्ड जिले का सर्वाधिक एन्डेमिक ब्लॉक है। पूर्व वर्षों के ट्रेंड के अनुसार जिले में जुलाई माह की शुरुआत से ही मलेरिया एवं बुखार के प्रकरणों में वृद्धि देखी जाती है। 17 जुलाई 2026 से बिरसा विकासखण्ड के तीन ग्राम बोंदारी, कोरका एवं कुंडेकसा में बुखार के रोगियों की संख्या में वृद्धि की सूचना प्राप्त हुई थी। ये सभी प्रभावित ग्राम सोनगुड्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत संचालित 05 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के क्षेत्र में आते हैं। इसकी सूचना जिले को प्राप्त होने के बाद स्थानीय स्तर पर मास कैंप आयोजित कर जांच तथा वैक्टर नियंत्रण की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

### आईसीएमआर एवं एनआईवी की जांच में मीजल्स की पुष्टि

आईसीएमआर एवं अन्य संस्थानों द्वारा की गई जांच में प्रभावित क्षेत्र के बच्चों में मीजल्स रोग की पुष्टि हुई है। एनआईवी पुणे द्वारा की गई जांच में चांदीपुरा वायरस, वेस्ट नाइल फीवर वायरस तथा जापानीज एनसेफेलाइटिस वायरस सहित विभिन्न वायरस की जांच नेगेटिव पाई गई। जांच एवं उपलब्ध रिपोर्टों के आधार पर बच्चों में हुई मृत्यु के प्रमुख कारणों में मलेरिया एवं मीजल्स संक्रमण पाया गया है।

### 20 अगस्त से मीजल्स-रूबेला कैचअप अभियान

स्थिति की समीक्षा के बाद राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रभावित क्षेत्र में 20 अगस्त से मीजल्स-रूबेला अभियान प्रारंभ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 09 माह से 10 वर्ष तक के सभी बच्चों को मीजल्स-रूबेला वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। अभियान की शुरुआत सर्वाधिक प्रभावित एवं उच्च प्राथमिकता वाले विकासखण्डों से की जाएगी।

### कुपोषित बच्चों का पुनः परीक्षण एवं उपचार

सोनगुड्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत सभी बच्चों का पुनः परीक्षण कराया जाएगा तथा अतिकुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कर उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। विकासखण्ड में निर्धारित मात्रा में टेक होम राशन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ सभी आंगनवाड़ियों में नियमित रूप से गर्म एवं पका हुआ पोषण आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

### 32 हजार 400 संभावित रोगियों की जांच

01 जुलाई से 14 अगस्त 2026 के मध्य विभिन्न ग्रामों में कुल 32 हजार 400 संभावित बुखार के रोगियों की जांच की गई। प्रभावित क्षेत्रों में नियंत्रण गतिविधियां प्रारंभ की गईं तथा जांच के दौरान पाए गए गंभीर रोगियों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

### प्रभावित बच्चों को पृथक रखने के निर्देश

समस्त आंगनवाड़ियों, विद्यालयों एवं आदिवासी छात्रावासों में संक्रमित एवं प्रभावित बच्चों को सामान्य बच्चों से पृथक रखा जाएगा। संक्रमित एवं प्रभावित बच्चों को घर पर रखने तथा आवश्यकतानुसार आइसोलेट करने की सलाह दी जाएगी। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समन्वित कार्रवाई की जाएगी। सभी प्रभावित क्षेत्रों में आउटरीच सर्वेलेंस कैंप आयोजित कर नियमित पर्यवेक्षण किया जाएगा। ग्रामीण विकास एवं राजस्व विभाग द्वारा इस कार्य में सहयोग किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में पशुजनित रोगों का भी सर्वेलेंस किया जाएगा। पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करते हुए आमजन को क्लोरीन की गोलियां वितरित की जाएंगी।

### स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

संचारी एवं असंचारी रोगों से बचाव एवं रोकथाम के उपायों और स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। छात्रावासों के विद्यार्थियों के माध्यम से आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उनके ग्रामों तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जाएगा। स्कूलों, छात्रावासों एवं आंगनवाड़ियों में ओआरएस पैकेट एवं जिंक टैबलेट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। प्रभावित क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही जांच, उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ के जायेंगी। समस्त संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर निगरानी एवं आवश्यक स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता तथा रोग नियंत्रण गतिविधियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

# बालाघाट में युवक पर बाघ ने किया हमला

## सिर-हाथ में गंभीर चोटें, 19 दिन में जिले में चौथी घटना

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**बालाघाट** जिले में कान्हा नेशनल पार्क से सटे ग्राम करेली में एक युवक पर बाघ ने हमला कर दिया। सोमवार को हुई इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बैहर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले 19 दिनों में जिले में बाघ के हमले की यह चौथी घटना है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

घायल युवक की पहचान संतोष मेश्राम के रूप में हुई है। संतोष ने बताया कि वह जंगल से लगे अपने खेत पर गया था, तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में उसके सिर और दोनों हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। उसे गर्दन में भी दर्द महसूस हो रहा है।

संतोष ने बताया कि उसने अपनी लाठी से बाघ के सिर पर वार किया और शोर मचाया। आसपास के लोगों को दौड़ते देख बाघ जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद संतोष अपने घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसे तुरंत बैहर अस्पताल ले जाया गया।

**सिर और हाथ में गहरे घाव**

बैहर अस्पताल के डॉ. कौशल कुमार ने बताया कि संतोष के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं, जहां टांके लगाए गए हैं। उसके हाथों पर भी बाघ के हमले के निशान हैं। फिलहाल मरीज की हालत स्थिर है, लेकिन सिर में चोट के कारण उसे निगरानी में रखा गया है। न्यूरोलॉजिकल समस्याओं की जांच के बाद ही उसे अस्पताल से छुट्टी दी जाएगी। हालांकि, कान्हा से सटे करेली गांव में बाघ के हमले की यह पहली घटना है, लेकिन जिले में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीण दहशत में हैं। वे वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं और बाघों के हमलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

### 19 दिन में चौथी घटना

वन बाहुल्य बालाघाट जिले में कान्हा नेशनल पार्क से लगे ग्रामीण क्षेत्र में बाघ के हमले की 19 दिनो में यह चौथी घटना है, इससे पूर्व 2 अगस्त को पर्रापुर के बैगाटोला में घर में सो रही महिला सुगनीबाई पर बाघ ने हमला किया था। जिसमें महिला की मौत हो गई थी। जबकि दूसरी घटना 7 अगस्त की है। वहीं जिले के खैरलांजी में 10 अगस्त को जंगल की ओर मवेशी चराने गए देवकराम बाघमारे और दो मवेशियों पर बाघ ने हमला किया था। जिसमें बुजुर्ग देवकराम सहित मवेशियों की मौत हो गई थी।

# 265 प्रशिक्षणार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**शासकीय** औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बालाघाट में इन्फोसिस फाउंडेशन के सहयोग से लर्ननेट इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल द्वारा संचालित ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी एनहैंसमेंट ट्रेनिंग परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों का प्रमाण पत्र वितरण समारोह 17 अगस्त 2026 को आयोजित किया गया। इस परियोजना के तहत 17 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक संस्था के 265 प्रशिक्षणार्थियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षनार्थियों को समारोह में प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान लर्ननेट स्किल की कोऑर्डिनेटर कु. साइन खान ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों एवं रोजगार प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

# बालाघाट जिला सहकारी बैंक के सीईओ अभिनव सिंह बघेल दिल्ली में सम्मान

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रशासक कुमार सत्यम के मार्गदर्शन तथा शीर्ष बैंक भोपाल के अधिकारियों के निरंतर सहयोग से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट ने अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में एक बार फिर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। बैंक के मुख्यालय, शाखाओं एवं समितियों के अधिकारियों-कर्मचारियों के अथक प्रयासों के चलते बैंक को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण , नई दिल्ली द्वारा 14 अगस्त 2026 को आयोजित कार्यक्रम में अटल पेंशन योजना के अंतर्गत उत्तर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिनव सिंह बघेल को सम्मानित किया गया।

# जिले में ढाई महीने में 32 इंच बारिश दर्ज : रुक-रुककर गिर रहा पानी

## बालाघाट तहसील में सबसे अधिक 44 इंच वर्षा

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**बालाघाट** में मंगलवार को लगातार चौथे दिन भी रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा। जिले में 1 जून से 18 अगस्त तक कुल 32 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले साल की इसी अवधि (35 इंच) और सामान्य औसत (40 इंच) से थोड़ी कम है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो बालाघाट तहसील में सबसे ज्यादा 44 इंच बारिश हुई है, जबकि खैरलांजी तहसील में सबसे कम 24 इंच पानी बरसा है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे जिले में औसतन करीब 1 इंच बारिश दर्ज की गई।

### उफान पर नदी-नाले, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। प्रशासन ने अपील की है कि उफनते नदी-नालों या पानी से भरे पुल-पुलियों को पार करने का जोखिम न उठाएं और पानी उतरने का इंतजार करें, ताकि किसी तरह का हादसा न हो।

### तहसीलवार बारिश का हाल

18 अगस्त तक जिले की अलग-अलग तहसीलों में बारिश की स्थिति इस प्रकार रही- वारासिवनी में 41 इंच, बैहर में 34 इंच, लांजी में 31 इंच, कटंगी में 25 इंच, किरनापुर में 35 इंच, लालबर्रा में 34 इंच, बिरसा में 26 इंच, परसवाड़ा में 29 इंच और तिरोड़ी में 29 इंच पानी गिर चुका है। अगर पिछले साल (2025) की बात करें, तो इसी दौरान बालाघाट में 46 इंच, वारासिवनी में 49 इंच, बैहर में 41 इंच और परसवाड़ा में 43 इंच जैसी भारी बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

# हॉस्टल अधीक्षिका पर दूषित भोजन-पानी देने का आरोप : छात्राएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं

कहा- सफाई के लिए सबसे रुपए ले रहे

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**बालाघाट** जिले में शासकीय आदिवासी छात्रावास की छात्राओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई। छात्राओं ने अधीक्षिका और कर्मचारियों पर पेयजल की किल्लत, घटिया भोजन, सफाई के नाम पर अवैध वसूली और जातिगत रूप से अपमानित करने के आरोप लगाए हैं।

### दूषित पानी पीने को मजबूर, सफाई के नाम पर वसूले जा रहे पैसे

छात्राओं का आरोप है कि वे बीते चार सालों से विभिन्न समस्याओं से जूझ रही हैं। छात्रावास के बोरवेल के पास गंदगी फैली रहती है और उसी दूषित पानी का इस्तेमाल पीने व नहाने के लिए किया जा रहा है। छात्रा दीपाली मरावी ने बताया कि शिकायत करने पर उन्हें जातिगत रूप से अपमानित किया जाता है और छात्रावास में साफ-सफाई कराने के लिए प्रत्येक छात्रा से 50-50 रुपए जबरन लिए जाते हैं।

**हटाने की मांग:** एक अन्य छात्रा भागरथी ने आरोप लगाया कि परिजनों या भाई के मिलने आने पर कर्मचारियों द्वारा अनुचित व्यवहार और टिप्पणियां की जाती हैं। छात्राओं ने कलेक्टर से छात्रावास अधीक्षिका को हटाने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। मामले में विभागीय पक्ष जानने के प्रयास किए गए, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

**परिजनों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप, अधीक्षिका को**

# सिविल अस्पताल लांजी का सीएमएचओ डॉ. उपलप ने किया निरीक्षण

अस्पताल में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की ली जानकारी, सभी की हालत खतरे से बाहर

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**मुख्य** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने 17 अगस्त की रात 9 बजे सिविल अस्पताल लांजी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों से उनके उपचार एवं स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में चर्चा की। सिविल अस्पताल लांजी में बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्रामों के 6 बच्चों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। सभी बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है और वे तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं।

बच्चों का उपचार पेडियाट्रिक चिकित्सक डॉ. अंकित खारोल द्वारा किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. उपलप ने चिकित्सकों को बच्चों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा उनकी स्वास्थ्य स्थिति की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्रामों के बच्चों को आवश्यकता के अनुसार सिविल अस्पताल लांजी में भी भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

पांच दिवसीय नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का हुआ समापन

# दो हजार पौधों का रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**मध्यप्रदेश** जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन विकासखंड बैहर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का रविवार को सेक्टर क्रमांक-4 गढ़ी में समापन हुआ। यात्रा के दौरान महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ के निर्देशानुसार प्रदेशभर में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बालाघाट जिले के विकासखंड बैहर के पांच सेक्टरों में 510 जागरूक महिलाओं का ऑनलाइन पंजीयन नवांकुर सखियों के रूप में किया गया। नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के मेंटर्स एवं छात्रों के माध्यम से महिलाओं को अभियान से जोड़ा गया।

नवांकुर संस्थाओं द्वारा नवांकुर सखियों को थैलियां एवं बीज उपलब्ध कराकर छोटी-छोटी पौधशालाएं तैयार कराई गईं। हरियाली अमावस्या 12 अगस्त से 16 अगस्त तक सेक्टरवार नवांकुर सखी हरियाली यात्रा निकाली गई। इस दौरान पौधारोपण, पौधों का वितरण, जन-जागरूकता रैली, चौपाल कार्यक्रम और कलश यात्रा जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

यात्रा के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विकासखंड बैहर में लगभग दो हजार पौधों का रोपण कराया गया। साथ ही पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता पैदा करना रहा। इस अवसर पर श्रीमती मंजुलता चौधरी, अमित पाटिल, राजेंद्र बिसेन, राजीव परते, कुंदन मेरावी, सुरेश यादव, शिवनाथ यादव, संगीता उइके, आकांक्षा तेकाम, भंवर सिंह मेरावी, संदीप गजभिये सहित बड़ी संख्या में नवांकुर सखियों, समिति सदस्यों एवं ग्रामीणों की सहभागिता रही।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 19 अगस्त 2026

# सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

# दो साल से टूटी स्कूल की छत, घरों में पढ़ रहे मासूम!

## मंत्री के आश्वासन के बाद भी कब जागेगा प्रशासन?

पचलू टोला की बदहाली पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, बच्चों को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीण ; कीचड़ में तब्दील सड़क ने खोली विकास के दावों की पोल

राष्ट्रबाण | नैनपुर | संवाददाता
rashtrabaan.in

**ग्राम** पंचायत गौराछापर के पचलू टोला से शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं की बदहाली की तस्वीर सामने आई है। यहां प्राथमिक शाला पचलू टोला का भवन करीब दो वर्षों से क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा है। स्कूल भवन की छत की खराब स्थिति के चलते छोटे-छोटे बच्चों को सुरक्षित स्कूल भवन के बजाय ग्रामीणों के घरों में बैठाकर पढ़ाई कराने की नौबत आ गई है।

वहीं दूसरी ओर पचलू टोला से माखा टोला तक जाने वाला मार्ग बारिश में कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गया है। लंबे समय से समस्याओं का समाधान नहीं होने से नाराज ग्रामीण आखिरकार स्कूली बच्चों को साथ लेकर नैनपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के सामने अपनी समस्या रखी।

### जिस स्कूल में भविष्य बनना था, वही भवन बना ख़तरा

प्राथमिक शाला पचलू टोला में पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कूल भवन सुरक्षित होना चाहिए, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार भवन की छत पिछले करीब दो वर्षों से क्षतिग्रस्त है। भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए बच्चों को वहां बैठाना जोखिमपूर्ण माना जा रहा है। इसी वजह से लंबे समय से बच्चों की कक्षाएं ग्रामीणों के घरों में संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन मासूमों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, वे स्कूल भवन के अभाव में घरों में पढ़ने को मजबूर हैं ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि क्षतिग्रस्त छत की समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दौरान किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

### बारिश में सड़क बनी दलदल, बच्चों का निकलना मुश्किल

स्कूल भवन की समस्या के साथ पचलू टोला के ग्रामीणों के सामने आवागमन की गंभीर समस्या भी बनी हुई है। पचलू टोला-माखा टोला मार्ग बारिश के दिनों में कीचड़ और दलदल में बदल जाता है। इस मार्ग से ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चे भी आवागमन करते हैं। कीचड़ के कारण बच्चों के फिसलने और चोट लगने का खतरा बना रहता है। बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य ग्रामीणों को भी रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग की स्थिति लंबे समय से खराब है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया।

### दो साल से आवेदन-निवेदन, फिर भी नहीं सुधरी हालत

ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल भवन की मरम्मत के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदारों को आवेदन दिए गए। मौखिक रूप से भी समस्या की जानकारी दी गई, लेकिन करीब दो साल बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो पाया। ग्रामीणों का सवाल है कि जब मामला सीधे बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा से जुड़ा है, तो आखिर जिम्मेदार विभाग इतनी लंबी अवधि तक क्यों इंतजार करता रहा?

#### एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीण

लगातार समस्या का समाधान नहीं होने से परेशान ग्रामीण बच्चों को साथ लेकर नैनपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष स्कूल भवन और सड़क दोनों समस्याओं को प्रमुखता से रखा। ग्रामीणों ने मांग की कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल मौके पर भेजकर स्कूल भवन की तकनीकी जांच कराई जाए और क्षतिग्रस्त छत की मरम्मत का काम शुरू कराया जाए। इसके साथ ही पचलू टोला-माखा टोला मार्ग का स्थल निरीक्षण कराकर बारिश के मौसम में तत्काल आवागमन योग्य व्यवस्था और स्थायी सड़क निर्माण की कार्रवाई की जाए।

### मंत्री सम्पतिया उइके ने दिया जल्द मरम्मत का आश्वासन

ग्रामीणों ने मंत्री सम्पतिया उइके को फोन से समस्या बताया हालकि मंत्री महोदया ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि पचलू टोला प्राथमिक शाला के क्षतिग्रस्त भवन की जल्द मरम्मत करवाई जाएगी। मंत्री ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा से जुड़ा मामला गंभीर है तथा संबंधित विभाग से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। मंत्री के आश्वासन के बाद ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि करीब दो वर्षों से लंबित स्कूल भवन की समस्या अब जल्द हल होगी। ग्रामीणों का कहना है कि अब वे केवल आश्वासन नहीं चाहते। उनका कहना है कि आश्वासन के बाद जल्द से जल्द मरम्मत कार्य जमीन पर शुरू होना चाहिए, ताकि बच्चों को फिर से सुरक्षित स्कूल भवन में बैठकर पढ़ाई करने का अवसर मिल सके।

### पंचायत के विकास कार्यों पर भी उठे सवाल

पचलू टोला की स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत गौराछापर के विकास कार्यों पर भी सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्राथमिक शाला का भवन दो वर्षों से क्षतिग्रस्त है और गांव को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग बारिश में दलदल में बदल रहा है, तो इन मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता से क्यों नहीं सुलझाया गया? ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की सरपंच भागीरथी गोंड से भी मांग की है कि बच्चों की शिक्षा और गांव के आवागमन से जुड़े इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर शीघ्र समाधान कराया जाए।

# पौधा लेकर निकलीं नवांकुर सखियां, हरियाली और राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश

## सतपहरी माल में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा एवं तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन, 'एक पेड़ मां के नाम' का लिया संकल्प

राष्ट्रबाण | निवास | संवाददाता
rashtrabaan.in

**मध्यप्रदेश** जन अभियान परिषद विकासखंड निवास के सेक्टर हाथीतारा अंतर्गत 16 अगस्त 2026 को ग्राम सतपहरी माल में नवांकुर संस्था मां रेवा कल्याण समिति के तत्वावधान में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा एवं तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन एवं विकासखंड समन्वयक सूरज बर्मन की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नवांकुर सखियों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण के साथ राष्ट्रप्रेम और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चरणों में पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य की जानकारी मां रेवा कल्याण समिति के सचिव संजय चौधरी ने दी।

### हरियाली के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश

विकासखंड समन्वयक सूरज बर्मन ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देना है। इसके तहत अधिक से अधिक पौधारोपण, पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा के साथ महिलाओं और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक परिवार को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। ग्राम पंचायत सतपहरी माल के सरपंच रतिराम कुशराम ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि सहित अन्य विशेष अवसरों पर पौधारोपण करें और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाएं। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

### तिरंगे और पौधों के साथ गूंजे देशभक्ति के नारे

कार्यक्रम के बाद नवांकुर सखियों एवं ग्रामीणों द्वारा हरियाली यात्रा और तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में नवांकुर सखियां हाथों में तिरंगा और पौधे लेकर शामिल हुईं। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम्, हर घर तिरंगा तथा नर्मदा मैया करे पुकार, आओ लगाएं पेड़ हजार जैसे नारों से ग्राम के गलियारे गूंज उठे। तिरंगे के साथ पौधों को लेकर निकलीं नवांकुर सखियों ने एक ओर जहां लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया। यात्रा के दौरान ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा करने का संदेश दिया गया।

### पौधा वितरण एवं रोपण के साथ हुआ समापन

यात्रा के उपरांत उपस्थित नवांकुर सखियों एवं ग्रामवासियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। इसके बाद पौधा वितरण एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा का प्रण लिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सतपहरी माल के सरपंच रतिराम कुशराम, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष गोकुल वरकड़े, सचिव गजेन्द्र सिंह तेकाम, सदस्य मुकेश ओयाम, परामर्शदाता देवेन्द्र सिंह वरकड़े, उत्तम सिंह परस्ते, सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम छात्र पवन सिंह परस्ते, छात्राएं रवीना ओयाम एवं ज्योति तेकाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं नवांकुर सखियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम ने ग्रामीण अंचल में राष्ट्रप्रेम, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता की मजबूत मिसाल पेश की।

# उगली के मसानेटोंग और लालमाटी के किसानों की एक ही पुकार- अब आश्वासन नहीं, खेतों तक पानी चाहिए

## तीन माह की समय-सीमा, काम नहीं हुआ तो बड़े किसान आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रबाण | सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**जिले** के केवलारी विधानसभा क्षेत्र के उगली क्षेत्र के मसानेटोंग एवं सिवनी तहसील के लालमाटी क्षेत्र के किसानों की वर्षों पुरानी सिंचाई समस्या अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। किसानों ने साफ शब्दों में कहा है कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि खेतों में पानी चाहिए। किसानों की मांग है कि दोनों क्षेत्रों में जलाशय निर्माण के साथ माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना तैयार कर खेतों तक पानी पहुंचाने का काम तत्काल शुरू किया जाए।

किसानों का कहना है कि बारिश के मौसम में क्षेत्र में पर्याप्त पानी उपलब्ध होता है, लेकिन उसका समुचित संग्रहण एवं उपयोग नहीं होने के कारण बारिश समाप्त होते ही खेत पानी के लिए तरसने लगते हैं। हर वर्ष किसान मेहनत और उम्मीद के साथ फसल बोता है, लेकिन सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से उसकी पूरी मेहनत मौसम की मेहरबानी पर निर्भर हो जाती है।

**तीन माह की समय-सीमा, काम नहीं हुआ तो आंदोलन: आशीष भैरम**

आशीष भैरम ने कहा कि किसानों की यह लड़ाई केवल पानी के लिए नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, फसल, आय और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है। किसानों ने शासन एवं प्रशासन को तीन माह की समय-सीमा दी है। यदि इस समय-सीमा के भीतर किसानों की मांगों पर धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ तो बड़े किसान आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

उन्होंने कहा कि अब किसान केवल आश्वासन सुनकर चुप बैठने वाले नहीं हैं। तीन माह के भीतर यदि सर्वे, डीपीआर, स्वीकृति एवं धरातल पर काम की शुरुआत नहीं हुई तो किसान संगठित होकर आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। शासन-प्रशासन को किसानों की इस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग पूरी तरह स्पष्ट है- सर्वे हो, डीपीआर तैयार हो, स्वीकृति मिले और धरातल पर काम दिखाई दे। किसानों को फाइलों और आश्वासनों में नहीं, बल्कि अपने खेतों में पानी चाहिए।

### 20 वर्षों से जलाशय की मांग, अब टूट रहा किसानों के सब्र का बांधः संजय चंद्रवंशी

लालमाटी क्षेत्र के किसान संजय चंद्रवंशी ने कहा कि हम पिछले 20 वर्षों से अपने खेतों में सिंचाई के लिए जलाशय की मांग कर रहे हैं। वर्षों से हमें बार-बार आश्वासन दिए जाते रहे, लेकिन आज तक धरातल पर कोई ठोस काम नहीं किया गया। किसानों का शोषण हो रहा है और उनकी मेहनत का उचित परिणाम उन्हें नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि अब हम चुप बैठने वाले नहीं हैं। शासन एवं प्रशासन को किसानों की पीड़ा समझनी होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा में काम शुरू नहीं हुआ तो किसानों को उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। किसान अपने हक और अपने खेतों के पानी के लिए अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे।

### जब पानी आसपास है तो खेत प्यासे क्यों?

किसानों ने सवाल उठाया है कि जब बरसात में क्षेत्र में पानी उपलब्ध होता है और जलस्रोत मौजूद हैं, तो उस पानी को संरक्षित कर किसानों के खेतों तक पहुंचाने की स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? जिस किसान की मेहनत से प्रदेश का अन्न भंडार भरता है, वही किसान अपनी फसल के लिए हर वर्ष आसमान की ओर देखने को मजबूर क्यों हो? किसानों का कहना है कि सिंचाई सुविधा मिलने से न केवल उनकी फसल उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के हजारों किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

### अब आश्वासन नहीं, धरातल पर काम चाहिए

किसानों ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि तीन माह के भीतर मसानेटोंग एवं लालमाटी क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं पर ठोस कार्यवाही प्रारंभ की जाए। किसानों की मांग है कि परियोजना का सर्वे, डीपीआर, प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति तथा निर्माण की प्रक्रिया समय-सीमा के भीतर शुरू की जाए। यदि निर्धारित समय-सीमा में ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो दोनों क्षेत्रों के किसान संगठित होकर बड़ा किसान आंदोलन करेंगे। किसानों ने स्पष्ट किया है कि यह किसी एक व्यक्ति या गांव की मांग नहीं है, बल्कि हजारों किसान परिवारों के भविष्य से जुड़ा सवाल है। अब सवाल सिर्फ पानी का नहीं है- सवाल किसान की मेहनत का है, उसकी फसल का है, उसकी आय का है और उसके बच्चों के भविष्य का है।

### ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

**सिवनी।** कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी श्रीमती अंजली शाह के मार्गदर्शन में जिले में आयोजित किए जा रहे जिले में आयोजित हो रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविरों के माध्यम से नागरिकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। शिविरों में उपस्थित नागरिकों को कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण, गीले एवं सूखे कचरे के उचित प्रबंधन तथा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।

# सिवनी में बाइक फिसली, तीन लोग घायल

## घंसौर स्वास्थ्य केंद्र में कराया भर्ती, जबलपुर की तरफ जा रहे थे

राष्ट्रबाण | सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**सिवनी** जिले के घंसौर थाना इलाके में पानारझिर गांव के पास मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे तेज रफ्तार बाइक का संतुलन बिगड़ने से उस पर सवार तीन लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से 108 एम्बुलेंस से सभी घायलों को घंसौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

जानकारी के मुताबिक, घायलों में बख्सी गांव की रहने वाली संतोषी कुलस्ते (20 वर्ष) और गागंधा निवासी सुनील तिलगाम (35 वर्ष) के साथ एक अन्य महिला शामिल है। यह सभी बाइक से बंशी से गागंधा होते हुए जबलपुर की तरफ जा रहे थे। जैसे ही वे पानारझिर गांव के पास पहुंचे, अचानक बाइक बेकाबू होकर सड़क पर ही पलट गई, जिससे तीनों को काफी चोटें आईं।

हादसा होते ही आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और घायलों को संभाला। एम्बुलेंस से तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर की टीम उनका इलाज कर रही है। वहीं पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। एक्सीडेंट की असली वजह क्या थी, यह जांच के बाद ही पता चल सकेगा।

# पेंच टाइगर रिजर्व में बाघिन जुगनी शावकों संग दिखी

## बफर इलाके में पर्यटकों ने सड़क पार करते वीडियो रिकॉर्ड किया

राष्ट्रबाण | सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**सिवनी** जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को एक बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिला। सोमवार को यहां की मशहूर बाघिन 'जुगनी' अपने चार नन्हें शावकों के साथ रास्ता पार करती नजर आई, जिसका वीडियो मंगलवार दोपहर सामने आया है।

यह घटना खवासा बफर इलाके में सफारी के दौरान हुई। पर्यटकों ने जैसे ही जुगनी और उसके बच्चों को सड़क पार करते देखा, गाड़ियां तुरंत रोक दी गईं। लोगों ने बिना कोई शोर मचाए इस शानदार पल को अपने कैमरों में रिकॉर्ड कर लिया। थोड़ी ही देर में जुगनी अपने चारों बच्चों को लेकर जंगल की झाड़ियों में ओझल हो गई।

**बफर ज़ोन में बढ़ा सफारी का रोमांच**

बारिश के मौसम में पेंच के कोर एरिया में घूमना बंद रहता है, लेकिन बफर इलाकों में पर्यटक सफारी का मजा ले सकते हैं। जुगनी और उसके बच्चों के इस तरह दिखने से बफर जोन की सफारी का रोमांच काफी बढ़ गया है।

**सुरक्षित दूरी बनाकर रखें पर्यटक**

जंगल के जानकारों का कहना है कि जब बाघिन अपने बच्चों के साथ हो तो पर्यटकों को काफी सावधान रहना चाहिए। शोर मचाना, रास्ते के बीच में गाड़ी रोकना या जानवरों के ज्यादा पास जाने से मां और बच्चों दोनों के लिए खतरा बढ़ जाता है। ऐसे पलों का मजा हमेशा दूरी से ही लेना चाहिए।

### पेंच की पसंदीदा बाघिन है जुगनी

बाघिन जुगनी पेंच टाइगर रिजर्व में आने वाले लोगों के बीच काफी मशहूर है। साल 2024 की शुरुआत में भी उसे चार शावकों के साथ देखा गया था। खवासा और तेलिया बफर इलाके में उसकी मौजूदगी हमेशा पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी रहती है। पेंच का यह जंगल अपनी हरियाली और वन्यजीवों के लिए जाना जाता है, जिसे 'द जंगल बुक' की कहानी से भी जोड़ा जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433